

FORM No. III

फर्द अहकाम

(नियम 26)

अज अदालत

मुकदमा
उपस्थित अधिकारी

मेवदलाल

बलम डी.डी.

किस्म मुकदमा

प्रापक खातेदारी रकबा

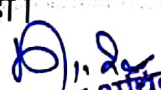
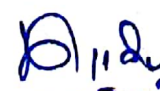
नं. 177

सन्

2021

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो हुकम की तामील में जारी हुए
21/6/2021	<p>अधिवक्ता प्रार्थी ने प्रार्थना पत्र पेश कर एक तरफा बहस सुनने की प्रार्थना की जिसे स्वीकार किया गया। अधिवक्ता प्रार्थी ने प्रार्थना पत्र के तथ्यों को दोहराते हुए कथन किया कि प्रार्थीगण एव अप्रार्थी संख्या 1 की संयुक्त खातेदारी एवं कब्जेकाशत की आराजी खाता संख्या 401 ख. नं. 201 रकबा 0.95 है0 व ख. नं. 228 रकबा 1.65 है0, कुल किता 2 कुल रकबा 2.60 है0 वाके ग्राम बीजवाड़, जिसमें प्रार्थी व अप्रार्थी संख्या 1 का 1/2-1/2 हिस्सा है। उक्त वर्णित आराजी पर प्रार्थी के 1/2 हिस्से पर बतौर खातेदार काबिज है व अप्रार्थी संख्या 1 के हिस्से पर भी प्रार्थी काबिज है। प्रार्थी व अप्रार्थी संख्या 1 आपस में माता व पुत्र है। प्रार्थी ही अप्रार्थी संख्या 1 की समस्त प्रकार से देखभाल, सेवा, भरण-पोषण करता चला आ रहा है। उक्त भूमि संयुक्त खातेदारी में होने के कारण आये दिन सीमा विवाद उत्पन्न होता रहता है साथ ही लगान देने में आपस में झगड़ा होता रहता है। इस दाबत अप्रार्थी को विधिवत सहमति से तकासमा करने हेतु कहा तो अप्रार्थी संख्या 1 ने इसके लिए मना कर दिया। अप्रार्थी संख्या 1 वृद्ध महिला होने के कारण सोचने समझने की शक्ति क्षीण होने लगी है जिसके कारण अप्रार्थी संख्या 1 अन्य व्यक्तियों के बहकावे में आकर अपने हिस्से की भूमि को बिना तकासमा हुए बेचान करने पर आमादा है जबकि सम्पूर्ण भूमि पर प्रार्थी का ही कब्जाकाशत है। यदि अप्रार्थी संख्या 1 ने उक्त कृत्य कर दिया तो आपसी लड़ाई झगड़ा व मुकदमेबाजी बढेगी। इस कारण से न्यायालय में वाद व प्रार्थना पेश करना पड़ा। अतः माननीय न्यायालय से प्रार्थना है कि अप्रार्थी संख्या 1 को अस्थायी निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जावे कि वह उक्त कृत्य नहीं करे।</p> <p>पत्रावली का सरसरी तौर पर अवलोकन व अधिवक्ता प्रार्थी की एकतरफा बहस से प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि प्रार्थी व अप्रार्थी संख्या 1 उक्त वर्णित आराजीयात में राजस्व रिकॉर्ड में सहखातेदार की हैसियत रखते है तथा अभी तक उक्त आराजीयात का विधिवत बंटवारा नहीं हो रखा है। ऐसी स्थिति में प्रार्थी की प्रार्थना को स्वीकार किया जाना उचित है। अतः अप्रार्थी संख्या 1 को जरिये अन्तरिम अस्थायी निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता</p>	

B. D. D.

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो की तामील में है
	<p>है कि आराजी खाता संख्या 401 ख. नं. 201 रकबा 0.95 है0 व ख. नं0 228 रकबा 1.65 है0, कुल किता 2 कुल रकबा 2.60 है0 वाके ग्राम बीजवाड़ में मौके व राजस्व रिकॉर्ड की यथास्थिति आगामी तारीख पेशी तक बनाए रखे। इस बाबत कोई आपति हो तो न्यायालय में उपस्थित होकर पेश करे। प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थीगण की तलबी जारी हो। पत्रावली दिनांक 05.07.2021 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;">  उपखण्ड अधिकारी देवली (टोंक) </p> <p> 5/11/20 PO सा अवर... अंक पत्र है। पत्रावली दिनांक..... को पेश हो। 22/7/20 2 </p> <p> 22/7/2021 PO सा अवर... अंक पत्र है। पत्रावली दिनांक..... को पेश हो। </p> <p> 17/11/20 अवर प्रार्थी ने 17/11/20 2 अवेरिफा पर नॉट प्रोविस लिखत पत्रावली को अत्रे ही जमाने की प्रार्थना की। पत्रावली को अवेरिफा न किया जाये। प्रार्थी की प्रार्थना पर पत्रावली नॉट प्रोविस के अन्तर्गत ही जारी की पत्रावली के अन्तर्गत अवेरिफा पत्र न बनाये वे अवेरिफा को दाखिल दफतर ही निर्दिष्ट शुल्क - न्यायालय में जमा कराये। </p> <p style="text-align: center;">  उपखण्ड अधिकारी देवली (टोंक) </p>	

Not press
रु u